SYLLABUS (UPSC)
HISTORY

PAPER - I

1. Sources (स्रोत):

- **Archaeological sources (पुरातात्विक स्रोत) :** Exploration, excavation, epigraphy, numismatics, monuments (अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेख विधा, मुद्राशास्त्र, स्मारक)
- **Literary sources (साहित्यिक स्रोत) : Indigenous (स्वदेशी) :** Primary and secondary; poetry, scientific literature, literature, literature in regional languages, religious literature (प्राथमिक एवं द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य)
- **Foreign account (विदेशी वर्णन) :** Greek, Chinese and Arab writers (यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक)

2. Pre-history and Proto-history (प्रागैतिहास एवं आद्य इतिहास) :

Geographical factors; hunting and gathering (paleolithic and mesolithic); Beginning of agriculture (neolithic and chalcolithic) (भौगोलिक कारक, शिकार एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग), कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)।

3. Indus Valley Civilization (सिंधु घाटी सभ्यता) :

Origin, date, extent, characteristics, decline, survival and significance, art and architecture (उद्गम, काल, विस्तार, विशेषताएं, पतन, अस्तित्व एवं महत्व, कला एवं स्थापत्य)

4. Megalithic Cultures (महापाषाणयुगीन संस्कृतियां) :

Distribution of pastoral and farming cultures outside the Indus, Development of community life, Settlements, Development of agriculture, Crafts, Pottery and Iron industry (सिंधु से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का विस्तार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियां, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग)

5. Aryans and Vedic Period (आर्य एवं वैदिक काल) :

Expansions of Aryans in India (भारत में आर्यों का प्रसार) :

- **Vedic Period (वैदिक काल) :** Religious and philosophic literature; Transformation from Rig Vedic period to the later Vedic period; Political, social and economical life; Significance of the Vedic Age; Evolution of Monarchy and Varna system. (धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य: ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण; राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्व; राजतंत्र एवं वर्ण व्यवस्था का क्रम विकास।)

6. Period of Mahajanapadas (महाजनपद काल) :

Formation of States (Mahajanapada): Republics and monarchies; Rise of urban centres;

Trade routes; Economic growth; Introduction of coinage; Spread of Jainism and Buddhism; Rise of Magadha and Nandas. (महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्र एवं राजतंत्र; नगर केन्द्रों का उद्भव, व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सिक्का ढलाई), जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार, मगध एवं नंदों का उद्भव।)

- Iranian and Mecedonian invasions and their impact (ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव।)

7. Mauryan Empire (मौर्य साम्राज्य) :

Foundation of the Mauryan Empire. Chandragupta, Kautilya and Arthashastra; Ashoka; Concept of Dhamma; Edicts; Polity, Administration, Economy; Art, architecture and sculpture; External contacts; Religion; Spread of religion; Literature. (मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र, अशोक, धम्म की संकल्पना, धम्मादेश, राजव्यवस्था, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, कला, स्थापत्य एवं मूर्तिशिल्प, विदेशी संपर्क, धर्म, धर्म का प्रसार, साहित्य)

Disintegration of the empire; Sungas and Kanvas (साम्राज्य का विघटन; शुंग एवं कण्व)

8. Post-Mauryan Period (Indo-Greeks, Sakas, Kushanas, Western Kshatrapas) [उत्तर मौर्य काल (भारत-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप)]: Contact with outside world; growth of urban centres, economy, coinage, development of religions, Mahayana, social conditions, art, architecture, culture, literature and science. (बाहरी विश्व से संपर्क, नगर-केंद्रों का विकास, अर्थव्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएं, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान।)

9. Early State and Society in Eastern India, Deccan and South India (प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दक्कन एवं दक्षिण भारत में) : Kharavela, The Satavahanas, Tamil States of the Sangam Age; Administration, Economy, land grants, coinage, trade guilds and urban centres, Buddhist centres, Sangam literature and culture, Art and architecture. (खारवेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भूमि-अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियाँ एवं नगर केन्द्र, बौद्ध केन्द्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति, कला एवं स्थापत्य।)

10. Guptas, Vakatakas and Vardhanas (गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश) :

Polity and administration, Economic conditions, Coinage of the Guptas, Land grants, Decline of urban centres, Indian feudalism, Caste system, Position of women, Education and educational institutions; Nalanda, Vikramshila and Vallabhi, Literature, scientific literature, art and architecture. (राजव्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएं, गुप्तकालीन टंकण, भूमि अनुदान, नगरीय केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतवाद, जाति प्रथा, स्त्रियों की स्थिति, शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थाएं, नालंदा, विक्रमशिला एवं वल्लभी, साहित्य, विज्ञान साहित्य, कला एवं स्थापत्य।)

11. Regional States during Gupta Era (गुप्तकालीन क्षेत्रीय राज्य) :

The Kadambas, Pallavas, Chalukyas of Badami; Polity and Administration, Trade guilds, Literature; growth of Vaishnava and Saiva religions. Tamil Bhakti movement, Shankaracharya; Vedanta; Institutions of temple and temple architecture; Palas, Senas, Rashtrakutas, Paramaras, Polity and administration; Cultural aspects. Arab conquest of Sind; Alberuni, The Chalukyas of Kalyani, Cholas, Hoysalas, Pandyas; Polity and Administration;

Local Government; Growth of art and architecture, religious sects, Institution of temple and Mathas, Agraharas, education and literature, economy and society. (कदंब वंश, पल्लव वंश, बादामी का चालुक्य वंश; राजव्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियां, साहित्य; वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास, तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य, वेदांत, मंदिर संस्थाएं एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश; राजव्यवस्था एवं प्रशासन, सांस्कृतिक पक्ष, सिंध के अरब विजेता, कल्याणी का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश; राजव्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएं, अग्रहार ग्राम, शिक्षा एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था एवं समाज।)

12. **Themes in Early Indian Cultural History (प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के प्रतिपाद्य) :** Languages and texts, major stages in the evolution of art and architecture, major philosophical thinkers and schools, ideas in Science and Mathematics. (भाषाएं एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएं, विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में विचार।)

13. **Early Medieval India, 750-1200 AD [पूर्व मध्यकालीन भारत (750-1200 ई.)]** :

- **Polity (राजव्यवस्था) :** Major political developments in Northern India and the peninsula, origin and the rise of Rajputs (उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनैतिक घटनाक्रम, राजपूतों का उद्गम एवं उदय।)
- **The Cholas (चोल वंश) :** administration, village economy and society, "Indian Feudalism" (प्रशासन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज, भारतीय सामंतशाही)
- Agrarian economy and urban settlements (कृषि अर्थव्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ)
- Trade and commerce (व्यापार एवं वाणिज्य)
- **Society (समाज) :** the status of the Brahman and the new social order (ब्राह्मणों की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था)
- Condition of women (स्त्रियों की स्थिति)
- Indian science and technology (भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

14. **Cultural Traditions in India; 750-1200 AD [भारत की सांस्कृतिक परंपरा (750-1200 ई.)]:**

- **Philosophy (दर्शन) :** Shankaracharya and Vedanta, Ramanuja and Vishishtadvaita, Madhva and Brahma-Mimansa (शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं विशिष्टाद्वैत, माधव एवं ब्रह्म-मीमांसा।)
- **Religion (धर्म) :** Forms and features of religion, Tamil devotional cult, growth of Bhakti, Islam and its arrival in India, Sufism (धर्म का स्वरूप एवं विशेषताएं, तमिल भक्ति, तंत्रवाद, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत।)
- **Literature (साहित्य) :** Literature in Sanskrit, growth of Tamil literature, literature in the newly developing languages, Kalhan's Rajtarangini, Alberuni's India (संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नव विकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का इंडिया।)

- **Art and Architecture (कला एवं स्थापत्य) :** Temple architecture, sculpture, painting (मंदिर स्थापत्य, मूर्तिशिल्प, चित्रकला।)

15. The Thirteenth Century (तेरहवीं शताब्दी) :

- **Establishment of the Delhi Sultanate (दिल्ली सल्तनत की स्थापना) :** The Ghurian invasions - factors behind Ghurian success (गोरी के आक्रमण–गोरी की सफलता के पीछे कारक)
- Economic, Social and cultural consequences (आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम)
- Foundation of Delhi Sultanate and early Turkish Sultans (दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान)
- **Consolidation (सुदृढ़ीकरण) :** The rule of Iltutmish and Balban (इल्तुतमिश और बलबन का शासन)

16. The Fourteenth Century (चौदहवीं शताब्दी) :

- 'The Khalji Revolution' (खिलजी क्रांति)
- **Alauddin Khalji (अलाउद्दीन खिलजी)** : Conquests and territorial expansion, agrarian and economic measure (विजय एवं क्षेत्र–प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय।)
- **Muhammad Bin Tughlaq (मुहम्मद बिन तुगलक) :** Major projects, agrarian measures, bureaucracy of Muhammad Firoz Tughlaq (प्रमुख प्रकल्प, कृषि उपाय, मुहम्मद बिन तुगलक की नौकरशाही)
- **Firoz Tughlaq (फिरोज तुगलक) :** Agrarian measures, achievements in civil engineering and public works, decline of the Sultanate, foreign contacts and Ibn Battuta's account (कृषि उपाय, सिविल इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियाँ, दिल्ली सल्तनत का पतन, विदेशी संपर्क एवं इब्नबतूता का वर्णन।)

17. Society, Culture and Economy in the Thirteenth and Fourteenth Centuries (तेरहवीं एवं चौदहवीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था) :

- **Society (समाज) :** composition of rural society, ruling classes, town dwellers, women, religious classes, caste and slavery under the Sultanate, Bhakti movement, Sufi movement. (ग्रामीण समाज की रचना, शासक वर्ग, नगर निवासी, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दास प्रथा, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन।)
- **Culture (संस्कृति) :** Persian literature, literature in the regional languages of North India, literature in the languages of South India, Sultanate architecture and new structural forms, painting, evolution of a composite culture. (फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, समन्वित संस्कृति का विकास।)
- **Economy (अर्थव्यवस्था) :** Agricultural Production, rise of urban economy and non-agricultural production, trade and commerce. (कृषि उत्पादन, नगरीय अर्थव्यवस्था एवं कृषितर उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणिज्य।)

18. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Political Developments and Economy (पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी- राजनैतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था):

- **Rise of Provincial Dynasties (प्रांतीय राजवंशों का उदय)**: Bengal, Kashmir (Zainul Abedin), Gujarat [बंगाल, कश्मीर (जैनुल अबेदीन), गुजरात]
- Malwa, Bahmanis (मालवा, बहमनी)
- The Vijayanagara Empire (विजयनगर साम्राज्य)
- Lodis (लोदी वंश)
- Mughal Empire, first phase (मुगल साम्राज्य पहला चरण): Babur, Humayun (पहला चरण- बाबर एवं हुमायूं)
- The Sur Empire (सूर साम्राज्य) : Sher Shah's administration (शेरशाह का प्रशासन)
- Portuguese colonial enterprise, (पुर्तगाली औपनिवेशिक प्रतिष्ठान)

19. The Fifteenth and Early Sixteenth Century- Society and culture (पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी-समाज एवं संस्कृति) :

- Regional cultures specificities (क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएं)
- Literary traditions (साहित्यिक परंपराएं)
- Provincial architecture (प्रांतीय स्थापत्य)
- Society, culture, literature and the arts in Vijayanagara Empire (विजयनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला।)

20. Akbar (अकबर) :

- Conquests and consolidation of empire (विजय एवं साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण)
- Establishment of *jagir* and *mansab* systems (जागीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना)
- Rajput policy (राजपूत नीति)
- Evolution of religious and social outlook. Theory of *Sulh-i-kul* and religious policy. (धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति)
- Court patronage of art and technology (कला एवं प्रौद्योगिकी को राजदरबारी संरक्षण)

21. Mughal Empire in the Seventeenth Century (सत्रहवीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य) :

- Major administrative policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb (जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ)
- The Empire and the Zamindars (साम्राज्य एवं जमींदार)
- Religious policies of Jahangir, Shahjahan and Aurangzeb (जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की धार्मिक नीतियाँ)
- Nature of the Mughal State (मुगल राज्य का स्वरूप)

- Late Seventeenth Century crisis and the revolts (उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं विद्रोह)
- The Ahom kingdom (अहोम साम्राज्य)
- Shivaji and the early Maratha Kingdom (शिवाजी एवं प्रारंभिक मराठा राज्य)

22. Economy and society in the 16th and 17th Centuries (सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज) :

- Population, Agricultural and craft production (जनसंख्या, कृषि उत्पादन, शिल्प उत्पादन)
- Towns, commerce with Europe through Dutch, English and French companies: a trade revolution (नगर, डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी कंपनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणिज्य: व्यापार क्रांति)
- Indian mercantile classes, Banking, insurance and credit systems (भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियां)
- Conditions of peasants, Condition of Women (किसानों की दशा, स्त्रियों की दशा)
- Evolution of the Sikh community and the Khalsa Panth (सिख समुदाय एवं खालसा पंथ का विकास)

23. Culture during Mughal Empire (मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति) :

- Persian histories and other literature (फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य)
- Hindi and religious literatures (हिंदी एवं अन्य धार्मिक साहित्य)
- Mughal architecture (मुगल स्थापत्य)
- Mughal painting (मुगल चित्रकला)
- Provincial architecture and painting (प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला)
- Classical music (शास्त्रीय संगीत)
- Science and technology (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

24. The Eighteenth Century (अठारहवीं शताब्दी) :

- Factors for the decline of the Mughal Empire (मुगल साम्राज्य के पतन के कारक)
- The regional principalities: Nizam's Deccan, Bengal, Awadh (क्षेत्रीय सामंत देश: निजाम का दक्कन, बंगाल, अवध)
- Maratha ascendancy under the Peshwas (पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष)
- The Maratha fiscal and financial system (मराठा राजकोषीय एवं वित्तीय व्यवस्था)
- Emergence of Afghan power, Battle of Panipat, 1761 (अफगान शक्ति का उदय, पानीपत का तृतीय युद्ध-1761)
- State of political cultural and economic, on the eve of the British conquest (ब्रिटिश विजय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति)

PAPER-II

1. European Penetration into India (भारत में यूरोप का प्रवेश) :

The Early European Settlements; The Portuguese and the Dutch; The English and the French East India Companies; Their struggle for supremacy; Carnatic Wars; Bengal-The conflict between the English and the Nawabs of Bengal; Siraj and the English; The Battle of Plassey; Significance of Plassey. (प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियाँ; पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेजी एवं फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियाँ; आधिपत्य के लिए उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगाल-अंग्रेजों एवं बंगाल के नवाब के बीच संघर्ष; सिराज और अंग्रेज; प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्व।)

2. British Expansion in India (भारत में ब्रिटिश प्रसार) :

Bengal- Mir Jafar and Mir Kasim; The Battle of Buxar; Mysore; The Marathas; The three Anglo-Maratha Wars; The Punjab. (बंगाल-मीर जाफर एवं मीर कासिम; बक्सर युद्ध; मैसूर, मराठा; अंग्रेज-मराठा युद्ध; पंजाब।)

3. Early Structure of the British Raj (ब्रिटिश राज्य की प्रारंभिक संरचना) :

The Early administrative structure; From diarchy to direct control; The Regulating Act (1773); The Pitt's India Act (1784); The Charter Act (1833); The Voice of free trade and the changing character of British colonial rule; The English utilitarian and India. (प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना: द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक; रेगुलेटिंग एक्ट (1773); पिट्स इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेजी उपयोगितावादी और भारत।)

4. Economic Impact of British Colonial Rule: (ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव:)

(a) Land revenue settlements in British India; The Permanent Settlement; Ryotwari Settlement; Mahalwari Settlement; Economic impact of the revenue arrangements; Commercialization of agriculture; Rise of landless agrarian labourers; Impoverishment of the rural society. (ब्रिटिश भारत में भूमि राजस्व, बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रैय्यतवारी बंदोबस्त; महलवारी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणिज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समाज का परिक्षीणन।)

(b) Dislocation of traditional trade and commerce; De-industrialisation; Decline of traditional crafts; Drain of wealth; Economic transformation of India; Railroad and communication network including telegraph and postal services; Famine and poverty in the rural interior; European business enterprise and its limitations. (पारंपरिक व्यापार एवं वाणिज्य का विस्थापन; अनौद्योगीकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनति; धन का अपवाह; भारत का आर्थिक रूपांतण; टेलीग्राफ एवं डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचा जाल; ग्रामीण भीतरी प्रदेश में दुर्भिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएं।)

4. Social and Cultural Developments (सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास) :

The state of indigenous education, its dislocation; Orientalist-Anglicist controversy, The introduction of western education in India; The rise of press, literature and public opinion; The rise of modern vernacular literature; Progress of Science; Christian missionary activities in India. (स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका विस्थापन; प्राच्यविद्-आंग्लविद् विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादुर्भाव; प्रेस, साहित्य एवं लोकमत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; विज्ञान की प्रगति; भारत में ईसाई मिशनरी के कार्यकलाप।)

5. Social and Religious Reform Movements in Bengal and Other Areas (बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन) :

Ram Mohan Roy, The Brahmo Movement; Devendranath Tagore, Iswarchandra Vidyasagar, The Young Bengal Movement, Dayanada Saraswati, The social reform movements in India including Sati, widow remarriage, child marriage etc.; The contribution of Indian renaissance to the growth of modern India; Islamic revivalism-the Feraizi and Wahabi Movements. (राममोहन राय, ब्रह्म आंदोलन; देवेन्द्रनाथ टैगोर; ईश्वरचंद्र विद्यासागर; युवा बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; भारत में सती प्रथा विधवा विवाह, बाल विवाह आदि समेत सामाजिक सुधार आंदोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरुद्धारवृत्ति- फराजी एवं वहाबी आंदोलन।)

6. Indian Response to British Rule (ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया) :

Peasant movement and tribal uprisings in the 18th and 19th centuries including the Rangpur Dhing (1783), the Kol Rebellion (1832), the Mopla Rebellion in Malabar (1841-1920), the Santal Hul (1855), Indigo Rebellion (1859-60), Deccan Uprising (1875) and the Munda Ulgulan (1899-1900); The Great Revolt of 1857— Origin, character, causes of failure, the consequences; The shift in the character of peasant uprisings in the post- 1857 period; the peasant movements of the 1920s and 1930s. (रंगपुर ढींग (1783), कोल विद्रोह (1832), मालाबार में मोपला विद्रोह (1841-2920), सन्थाल हुल (1855), नील विद्रोह (1859-60), दकन विप्लव (1875) एवं मुंडा उल्गुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए किसान आंदोलन एवं जनजातीय विप्लव; 1857 का महाविद्रोह-उद्गम, स्वरूप असफलता के कारण, परिणाम; 1857 के बाद के काल में किसान विप्लव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए किसान आंदोलन।)

7. Factors leading to the birth of Indian Nationalism (भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारक) :

Politics of Association; The Foundation of the Indian National Congress; The Safety-valve thesis relating to the birth of the Congress; Programme and objectives of Early Congress; the social composition of early Congress leadership; the Moderates and Extremists; The Partition of Bengal (1905); The Swadeshi Movement in Bengal; the economic and political aspects of Swadeshi Movement; The beginning of revolutionary extremism in India. (संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बुनियाद; कांग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कांग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कांग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आंदोलन; स्वदेशी आंदोलन के आर्थिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ।)

8. **Rise of Gandhi (गांधी का उदय),** Character of Gandhian nationalism; Gandhi's popular appeal; Rowlatt Satyagraha; the Khilafat Movement; the Non-cooperation Movement; National politics from the end of the Non-cooperation movement to the beginning of the Civil Disobedience Movement; the two phases of the Civil Disobedience Movement; Simon Commission; The Nehru Report; the Round Table Conferences; Nationalism and the Peasant Movements; Nationalism and Working class movements; Women and Indian youth and students in Indian politics (1885-1947); the election of 1937 and the formation of ministries; Cripp's Mission; the Quit India Movement; the Wavell Plan; The Cabinet Mission. (गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकर्षण; रौलेट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय राजनीति, सविनय अवज्ञा आंदोलन के दो चरण; साइमन कमीशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज परिषद्; राष्ट्रवाद और किसान आंदोलन; महिला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय राजनीति में छात्र (1885-1947); 1937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आंदोलन; वेवेल योजना; कैबिनेट मिशन।)

9. **Constitutional Developments in the Colonial India between 1858 and 1935** (भारत में 1858 और 1935 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम।)

10. **Other strands in the National Movement (राष्ट्रीय आंदोलन की अन्य कड़ियां):**
The Revolutionaries: Bengal, the Punjab, Maharashtra, U.P., the Madras Presidency, Outside India.

The Left; The Left within the Congress: Jawaharlal Nehru, Subhas Chandra Bose, the Congress Socialist Party; the Communist Party of India, other left parties. (क्रांतिकारी: बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर, वामपंथ, कांग्रेस के अंदर का वाम पक्ष: जवाहर लाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामदल।)

11. **Politics of Separatism (अलगाववाद की राजनीति):** the Muslim League; the Hindu Mahasabha; Communalism and the politics of partition; Transfer of power; Independence. (मुस्लिम लीग; हिन्दू महासभा; सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तांतरण; स्वतंत्रता।)

12. **Consolidation as a Nation (एक राष्ट्र के रूप में सुदृढ़ीकरण):** Nehru's Foreign Policy; India and her neighbours (1947-1964); The linguistic reorganisation of States (1935-1947); Regionalism and regional inequality; Integration of Princely States; Princes in electoral politics; the Question of National Language. (नेहरू की विदेश नीति: भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964), राज्यों का भाषायी पुनर्गठन (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रियासतों का एकीकरण; निर्वाचन की राजनीति में रियासतों के नरेश (प्रिंस); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न।)

13. **Caste and Ethnicity after 1947 (1947 के बाद जाति एवं नृजातित्व):** Backward Castes and Tribes in post-colonial electoral politics; Dalit movements. (उत्तर-औपनिवेशिक निर्वाचन-राजनीति में पिछड़ी जातियां एवं जनजातियां; दलित आंदोलन।)

14. **Economic development and political change (आर्थिक विकास एवं राजनीतिक परिवर्तन):** Land reforms; the politics of planning and rural reconstruction; Ecology and environmental policy in post-colonial India; Progress of Science. (भूमि सुधार; योजना एवं ग्रामीण पुनर्रचना की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण नीति; विज्ञान की तरक्की।)

15. Enlightenment and Modern ideas (प्रबोधन एवं आधुनिक विचार) :

(i) Major Ideas of Enlightenment: Kant, Rousseau (प्रबोधन के प्रमुख विचार: कांट, रूसो)

(ii) Spread of Enlightenment in the colonies (उपनिवेशों में प्रबोधन- प्रसार)

(iii) Rise of socialist ideas (up to Marx); spread of Marxian Socialism (समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार)

16. Origins of Modern Politics (आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत) :

(i) European States System (यूरोपीय राज्य प्रणाली)

(ii) American Revolution and the Constitution (अमेरिकी क्रांति एवं संविधान)

(iii) French Revolution and Aftermath, 1789-1815 (फ्रांसीसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815)

(iv) American Civil War with reference to Abraham Lincoln and the abolition of slavery (अब्राहम लिंकन के संदर्भ के साथ अमेरिकी गृहयुद्ध एवं दासता का उन्मूलन।)

(v) British Democratic politics, 1815-1850: Parliamentary Reformers, Free Traders, Chartists (ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; संसदीय सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी।)

17. Industrialisation (औद्योगिकीकरण) :

(i) English Industrial Revolution: Causes and Impact on Society (अंग्रेजी औद्योगिक क्रांति: कारण एवं समाज पर प्रभाव)

(ii) Industrialization in other countries: USA, Germany, Russia, Japan (अन्य देशों में औद्योगिकरण: यू.एस.ए, जर्मनी, रूस, जापान)

(iii) Industrialization and Globalization (औद्योगिकीरण एवं भूमंडलीकरण)

18. Nation-State System (राष्ट्र राज्य प्रणाली) :

(i) Rise of Nationalism in 19th century (19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय)

(ii) Nationalism: State-building in Germany and Italy (राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य निर्माण)

(iii) Disintegration of Empires in the face of the emergence of nationalities across the World (पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आविर्भाव के समक्ष साम्राज्यों का विघटन)

19. Imperialism and Colonialism (साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद) :

(i) South and South-East Asia (दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया)

(ii) Latin America and South Africa (लैटिन अमरीका एवं दक्षिण अफ्रीका)

(iii) Australia (ऑस्ट्रेलिया)

(iv) Imperialism and free trade: Rise of neo-imperialism (साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार: नव साम्राज्यवाद का उदय)

20. Revolution and Counter-Revolution (क्रांति एवं प्रतिक्रांति) :

(i) 19th Century European revolutions (19वीं शताब्दी की यूरोपीय क्रांतियां)

(ii) The Russian Revolution of 1917-1921 (1917-1921 की रूसी क्रांति)

(iii) Fascist Counter-Revolution, Italy and Germany (फासीवादी प्रतिक्रांति, इटली एवं जर्मनी)

(iv) The Chinese Revolution of 1949 (1949 की चीनी क्रांति)

21. World Wars (विश्व युद्ध) :

(i) 1st and 2nd World Wars as Total Wars: Societal implications (संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध: समाजिक निहितार्थ)

(ii) World War I: Causes and Consequences (प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम)

(iii) World War II: Causes and Consequences (द्वितीय विश्व युद्ध: कारण एवं परिणाम)

22. The World after World War II (द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व) :

(i) Emergence of Two power blocks (दो शक्तियों का आविर्भाव)

(ii) Emergence of Third World and non-alignment (तृतीय विश्व एवं गुटनिरपेक्षता का आविर्भाव)

(iii) UNO and the global disputes (संयुक्त राष्ट्र संघ एवं वैश्विक विवाद)

23. Liberation from Colonial Rule (औपनिवेशिक शासन से मुक्ति) :

(i) Latin America- Bolivar (लैटिन अमरीका–बोलिवर)

(ii) Arab World- Egypt (अरब विश्व–मिस्र)

(iii) Africa-Apartheid to Democracy (अफ्रीका–रंगभेद से गणतंत्र तक)

(iv) South-East Asia- Vietnam (दक्षिण पूर्व एशिया–वियतनाम)

24. Decolonization and Underdevelopment (विऔपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास) :

(i) Factors constraining Development; Latin America, Africa (विकास के बाधक कारक: लैटिन अमरीका, अफ्रीका)

25. Unification of Europe (यूरोप का एकीकरण) :

(i) Post War Foundations; NATO and European Community (युद्धोत्तर स्थापनाएं; NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी)

(ii) Consolidation and Expansion of European Community (यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार)

(iii) European Union (यूरोपीय संघ)

26. Disintegration of Soviet Union and the Rise of the Unipolar World (सोवियत संघ का विघटन एवं एक ध्रुवीय विश्व का उदय) :

(i) Factors leading to the collapse of Soviet Communism and Soviet Union, 1985-1991 (सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत संघ को निपात तक पहुंचाने वाले कारक, 1985–1991)

(ii) Political Changes in East Europe, 1989-2001 (पूर्वी यूरोप में राजनैतिक परिवर्तन, 1989–2001)

(iii) End of the Cold War and US Ascendancy in the World as the lone superpower (शीत युद्ध का अंत एवं एकमात्र महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष)